University in News on 10 January 2021

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

AMAR UJALA MY CITY PAGE 3 & 6

छात्रवृत्ति के लिए आज भी खुला रहेगा लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का छात्रवृत्ति से संबंधित कार्यालय रविवार को अवकाश के दिन भी खुला रहेगा। यह निर्णय छात्र-छात्राओं के सुविधा के कारण लिया गया है, जिससे वे अपना छात्रवृत्ति फार्म रविवार को भी विश्वविद्यालय में जमा कर सकें। यह जानकारी कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने दी। सभी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति फॉर्म का प्रिंट आउट भी जमा करना होता है।

अपनी जड़ों में ही देखना होगा

प्रवासी भारतीय भारतीयता की जड़ों को सींचने का काम करते हैं। दुनिया में शायद ही ऐसा कोई देश हो जहां भारतीय न हों। कोरोना काल ने भारत को नए रूप में ढालने का मौका दिया है। कोरोना ने सिखाया है कि हमें अपनी जड़ों की ओर ही देखना होगा। भारतीयता को सींचना होगा। यह काम प्रवासी भारतीयों से बेहतर कोई दूसरा नहीं कर सकता है।

– प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल, प्रमुख, अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

NBT PAGE 8

फरवरी के दूसरे सप्ताह में बीएलएड एग्जाम

■ एनबीटी,लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों के बीएलएड के स्टूडेंट्स ने शनिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के कार्यालय घेराव किया। वे वहीं धरने पर बैठ गए। स्टूडेंट्स की मांग थी कि आगामी फरवरी से के पहले सप्ताह में होने वाली परीक्षाओं की तारीख को आगे बढ़ाया जाए। एलयू के चीफ प्रॉक्टर डॉ.दिनेश ने मौके पर पहुंचकर स्टूडेंट्स को शांत कराया। एलयू के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना कि स्टूडेंट्स की मांग को देखते हुए परीक्षाओं को 10 दिन और आगे बढ़ाया जा रह है। अब ये परीक्षाएं फरवरी के दूसरे अथवा तीसरे सप्ताह में आयोजित करवाई जाएंगी। ये परीक्षाएं पुराने पैटर्न पर (थ्योरी अधारित) होंगी।

एलयू में आज भी जमा होगा स्कॉलर्शिप फॉर्म

■ एनबीटी, काकोरीः लखनऊ विश्वविद्याल में शनिवार को काफी संख्या में स्टूडेंट्स स्कॉलर्शिप के फॉर्म जमा करने के लिए पहुंचे। हालांकि द्वितीय शनिवरा होने के चलते स्टूडेंट्स के फॉर्म नहीं जमा हो पाए। ऐसे में स्टूडेंट्स कुलसचिव विनोद कुमार सिंह से मिले। स्टूडेंट्स ने उन्हें अपनी समस्या बताते हुए कहा कि रविवार को फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख है और रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय बंद रहता है। ऐसे में कुलसचिव ने स्टूडेंट्स की समस्या को गंभीरता से लेते हुए एलयू के स्कॉलर्शिप सेक्शन को खोलने के आदेश जारी कर दिए हैं। अब स्टूडेंट्स रविवार को भी स्कॉलर्शिप फॉर्म जमा करने एलयू आ सकते हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

लविवि : 85 छात्र इसरो से प्रशिक्षित

जागरण संवाददाता, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 85 छात्रों ने इसरो देहरादून द्वारा आयोजित विभिन्न आइआइआरएस आउटरीच प्रोग्राम एप्लीकेशन ऑफ जियो इनफॉर्मेटिक्स इन इकोलॉजिकल स्टडीज, सैटेलाइट फोटोग्रामेट्री एंड इट एप्लीकेशन, जिओ स्पेशियल इनपुट फॉर इनेबलिंग मास्टर प्लान फॉर्मूलेशन, रिमोट सेंसिंग एंड डिजिटल इमेज एनालिसिस, ग्लोबल नेवीगेशन सेटेलाइट सिस्टम, जिओ कंप्यूटशन एंड जिओ वेब सर्विसेज, रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन इन एग्रीकल्चर वॉटर मैनेजमेंट में प्रशिक्षण लेकर प्रमाणपत्र हासिल किया। इंजीनियर प्रशांत कुमार सिंह (आइआइआरएस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, इंजीनियरिंग संकाय) एवं डॉ. हिमांशु पांडेय इसरो द्वारा संचालित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से मौजूद रहे।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि के 85 छात्रों ने ली इसरो, देहरादून से ट्रेनिंग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग के 85 छात्रों ने इसरो, देहरादून द्वारा संचालित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आई.आई.आर.एस आउटरीच प्रोग्राम में ट्रेनिंग उत्तीर्ण कर सर्टिफिकेशन के साथ रिमोट सेंसिंग और जिओ इंफॉर्मेशन साइंस में दक्षता हासिल की।

AMRIT VICHAR PAGE 3

बदलेगी सूरत | डॉ .एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की तर्ज पर तैयार की गयी योजना

पूरी तरह हाइटेक होगा लखनऊ विश्वविद्यालय

रविशंकर गुप्ता

लखनऊ। सौ साल पूरे कर चुका राजधानी का लखनऊ विश्वविद्यालय अब पहले से और भी ज्यादा हाइटेक होगा। विश्वविद्यालय में चकाचैंध के साथ सुरक्षा व्यवस्था पहले से बेहतर करने की तैयार हो चुकी है।

विश्वविद्यालय में चप्पे-चप्पे पर सीसी टीवी कैमरे से निगरानी की जायेगी। वहीं सुरक्षा कर्मियों की भी संख्या बढ़ा दी गयी है। विश्वविद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था आने वाले दिनों में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की तर्ज पर हो जायेगी। बता दें कि विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर आलोक राय का कुलपति के रूप में एक साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है। ऐसे में सभी विभागों को दुरूस्त करने के साथ-साथ कुलपति की ओर से 2021 में कई बदलावों को लेकर तैयारियां चल रही हैं। इन्हीं तैयारियों के बीच विश्वविद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था भी दुरूस्त करना पहली प्राथमिकता है।

विश्वविद्यालय में सुधार को लेकर हर संभव प्रयास जारी है, 2021 के लिए भी कई लक्ष्य रखे गये है, जिन्हे पुरा करना है, इसी बीच सुरक्षा व्यवस्था भी हमारी पहली प्राथमिकता है।

-प्रोफेसर आलोक राय, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

एकेटीयू में आसान नहीं रहा सीधे प्रवेश

राजधानी के डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में सीधे प्रवेश करना आसान नहीं है। कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक के दूसरे कार्यकाल में सिक्योरिटी सिस्टम काफी बदल गया है। गेट पर प्रवेश से पहले गार्डों के पास पूरा विवरण दर्ज कराना होता है, इस दौरान आईडी प्रूफ भी देना होता है, फिर एक पर्ची बनायी जाती है, इसके बाद भी विश्वविद्यालय के मुख्य भवन में प्रवेश करने से पहले सुरक्षा में लगे जवान पूरी जांच पड़ताल करते हैं उसके बाद ही प्रवेश दिया जाता है।

पीआरडी जवानों को लगाया गया सुरक्षा में

विश्वविद्यालय में पहली बार पीआरडी जवानों को सुरक्षा के लिए लगाया गया है, इससे पहले विश्वविद्यालय के जवानों के हवाले सुरक्षा व्यवस्था थी। अब वर्तमान में पीआरडी जवानों की संख्या 80 है जबकि विश्वविद्यालय के 32 जवान हैं। कुल 112 जवान सभी गेटों पर मुस्तैद कर दिए गये हैं, विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में बाहरी व्यक्ति को एक प्रक्रिया के तहत ही अंदर प्रवेश मिल सकेगा।

विश्वविद्यालय में लगाये जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरे

लखनऊ विश्वविद्यालय में सीसी टीवी कैमरे लगाये जाने का काम जारी है, इस बारे में विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि पूरे विश्वविद्यालय में कैंपस में जहां-जहां भी कैमरे लगाये जाने हैं उन स्थानों को चिन्हित किया गया है, काफी संख्या में कैमरे लगाये भी जा चुके हैं, उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में बाहरी व्यक्ति कोई प्रवेश करता है तो उस संबंध में भी जानकारी रखना आसान होगा। साथ ही सुरक्षा में भी लापरवाही नहीं होगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

लविवि के 85 छात्रों ने लिया प्रशिक्षण

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 85 छात्रों ने इसरो, देहरादून द्वारा आयोजित विभिन्न आईआईआरएस आउटरीच प्रोग्राम (एप्लीकेशन ऑफ जियो इनफॉर्मेटिक्स इन इकोलॉजिकल स्टडीज, सैटेलाइट फोटोग्रामेट्री एंड इट्स एप्लीकेशन, जिओ स्पेसियल इनपुट्स फॉर इनेबलिंग मास्टर प्लान फॉर्मूलेशन, रिमोट सेंसिंग एंड डिजिटल इमेज एनालिसिस, ग्लोबल नेवीगेशन सेटेलाइट सिस्टम, जिओ कंप्यूटशन एंड जिओ वेब सर्विसेज, रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन इन एग्रीकल्चर वॉटर मैनेजमेंट) मे ट्रेनिंग के बाद परीक्षा उत्तीर्ण कर सर्टिफिकेशन के साथ रिमोट सेंसिंग और जिओ इंफॉर्मेशन साइंस में दक्षता हासिल की। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और इंजीनियरिंग संकाय के इंचार्ज प्रो. आरएस गुप्ता ने छात्रों को बधाई दी।

लविवि में आज खुलेगा छात्रवृत्ति कार्यालय

लखनऊ। लविवि में छात्रवृत्ति से संबंधित कार्यालय खुला रहेगा। यह आदेश शनिवार को लविवि के कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ने जारी किया है। यह निर्णय छात्र-छात्राओं के सुविधा के कारण लिया गया है ताकि वे अपना छात्रवृत्ति फार्म रविवार के दिन भी विवि में जमा कर सकें।

लविवि में बांटे गये ट्रैक सूट

लखनऊ। लविवि शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन बताया कि 10 जनवरी को राजभवन में होने वाले वालीबॉल मैच के लिए शनिवार को खिलाड़ियों को महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के पूर्व कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ला द्वारा ट्रैक सूट का वितरण किया गया। ज्ञात हो कि यह ट्रैक सूट विश्वविद्यालय स्थित यूको बैंक द्वारा प्रायोजित किया गया है। 10 जनवरी को सभी खिलाड़ियों को लखनऊ विश्वविद्यालय के छत्रपति शिवाजी शारीरिक शिक्षा मैदान में एकत्रित होने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा निर्देशित किया गया है।

SWANTANTRA BHARAT PAGE 4

एलयू के 85 छात्रों ने इसरो की ओर से आयोजित आई.आई.आर.एस कार्यक्रम में दिखाई निपुणता

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 85 छात्रों ने इसरो, देहरादून द्वारा आयोजित विभिन्न आई.आई.आर.एस आउटरीच प्रोग्राम (एप्लीकेशन ऑफ जियो इनफॉर्मेटिक्स इन इकोलॉजिकल स्टडीज, सैटेलाइट फोटोग्रामेट्री एंड इट्स एप्लीकेशन, जिओ स्पेसियल इनपुट्स फॉर इनेबलिंग मास्टर प्लान फॉर्मूलेशन, रिमोट सेंसिंग एंड डिजिटल इमेज एनालिसिस, ग्लोबल नेवीगेशन सेटेलाइट सिस्टम, जिओ कंप्यूटशन एंड जिओ वेब सर्विसेज, रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन इन एग्रीकल्चर वॉटर मैनेजमेंट) मे ट्रेनिंग के बाद परीक्षा उत्तीर्ण कर सर्टिफिकेशन के साथ रिमोट सेंसिंग और जिओ इंफॉर्मेशन साइंस में दक्षता हासिल की। इंजीनियर प्रशांत कुमार सिंह (आई.आई.आर.एस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, इंजीनियरिंग संकाय) एवं डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने इसरो द्वारा संचालित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम को समन्वित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय एवं इंजीनियरिंग संकाय के इंचार्ज प्रोफेसर आर.एस.गुप्ता ने छात्रों को बधाई दी।

लविवि द्वारा जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिबन्ध एवं प्रतिशोध) अधिनियम, 2013 पर लखनऊ पब्लिक कॉलेज, जानकीपुरम में एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। विधिक सहायता केंद्र ने अपने इस जागरूकता कार्यक्रमों के क्रम में इस कार्यशाला का आयोजन किया था, जिसमे बतौर मुख्य वक्ता केंद्र के वरिष्ठ सदस्य पुनीत देशवाल और विद्यालय की प्रधानचार्य श्रीमती मीना टांगरी उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान श्री पुनीत देशवाल ने कार्यस्थलों पर महिलाएं कैसे यौन उत्पीड़न की शिकार होती है और कैसे किसी व्यक्ति द्वारा किया गया कोई कृत्य उत्पीड़न के श्रेणी में आता है, और ऐसा होने पर वे कौन- कौन से विधिक सहायता को प्राप्त कर सकती है, जिसमे आंतरिक शिकायत समिति से वो किस प्रकार सहायता को प्राप्त कर सकती है, के बारे में बताया। श्री देशवाल ने विद्यालय के अंदर आंतरिक शिकायत समिति के संगठन पर भी जोर दिया, जिसपर प्रधानाचार्या ने आश्वासन दिया की वो इस पर ध्यान देंगी। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानचार्य मीना टांगरी और सौरभ सिंह, रितम त्रिपाठी, हर्ष मिश्रा, अरुणेश पांडेय,फरहीन खान, निधि पाल , रोहित कुमार मिश्रा, शाश्वत मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

HT PAGE 3

A virtual tour of LU's architectural history

LUCKNOW : Heritage enthusiasts got a taste of the architectural history and beauty of the Lucknow University (LU) campus during an online event hosted by a local group Citizens for Lucknow on Saturday.

The University of Lucknow, which recently completed 100 years of its existence, stands on the premises of Badshah Bagh—the walled pleasure garden built during the reign of Nawab Nasir-ud-din Haider, the second King of Oudh, who ruled from 1827 to 1837.

Vandana Sehgal, principal and dean faculty of architecture and planning, Abdul Kalam Technical University (AKTU) and Ritu Gulati, an LU alumna and associate professor, faculty of architecture, AKTU, virtually walked through the architectural history of Lucknow University during the programme.

Both the speakers explained to the viewers the architectural beauty of the university building. Swinton Jacob had designed the university building in Indo-Saracenic style in early 20th century on a campus already dotted with architectural gems like Lal Baradari, a gate and a canal from the 19th century pleasure garden.

They transported viewers through different eras that the Lucknow University has witnessed.

They talked about the relationship of the varied architectural styles on the campus, including the Tagore Library designed by Sir Walter Griffin, a designer from Canberra. HTC

TOI PAGE 2

85 LU students clear remote sensing exam

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University's 85 engineering students completed an outreach programme conducted by the Indian Institute of Remote Sensing, Dehradun, under Indian Space Research Organisation. The online examination was conducted after a month's training in remote sensing.

Students said the training will help them as remote sensing is used in various branches. Prateek Mishra, a student of BTech (computer science), said, "Learning satellite photogrammetry and its application has widened my understanding about image processing. I am thinking of new possibilities of using drones for similar procedures on smaller scale."

LU programme coordinator Himanshu Pandey said, "GIS and remote sensing techniques have become indispensable tools in engineering."